

दूसरी बडी बहन लक्ष्मीबाई के पति का स्थानांतरण रिसोड हुआ | वे एक प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक थे |

मुझे नाना पर दया
आती है। उसकी यह पढ़ाई की उमर है
और वह सारा दिन खेलता रहता है। मैं इसे रिसोड
ले जा रही हूँ। वहीं इसका दाखिला कराऊंगी।
उसे पढाऊंगी।



लक्ष्मीबाई के पति दत्तोपन्त घर पर भी नाना को पढाते थे।

नाना
कुशाग्र बुद्धि
का है। आठवीं
तक लगातार
प्रथम आता रहा है।
इसे आगे पढ़ने
के लिए वाशिम
भेजना
चाहिए।

